



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 278]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 22, 1992/अषाढ़ 1, 1914

No. 278]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 22, 1992/ASADHA 1, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-मूल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जून, 1992

सा.का.नि. 629(घ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 (1908 का 15) की धारा 33 की उपधारा (i) और धारा 34 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार यह निर्देश देती है कि इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 60 दिन की अवधि पूरी होने के अगले दिन से भारत सरकार के जल-मूल परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का.नि. सं. 43(ई), दिनांक 22 जनवरी, 1991 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में.—(1) अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जायेगी, अर्थात्:—

अनुसूची

प्रभार होम जलयान (15 टन या उससे अधिक प्रभार जलयान प्रति एन. ग्रार. टो. पत्तन
के समुद्रगामी जलयान) एक जो जलयान की वास्तव संदीय की आवृत्ति
फोस की दर

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--|-----------------------|---------------|-----------------|-------------------|
| | विदेशी यू.एस. डालर | तटीय रुपये | विदेशी जलयान | तटीय जलयान |
| पोत | 0.114 | 1.70 | प्रत्येक प्रवेश | 30 दिन में एक बार |
| स्टीमर | 0.171 | 2.80 | प्रत्येक प्रवेश | 30 दिन में एक बार |
| टग, लांच, बार्ज आदि जो ऊपर सम्मिलित नहीं है | 0.048 | 1.00 | प्रत्येक प्रवेश | 30 दिन में एक बार |

फुट नोट.—मूल अधिनियम सा.का.नि. सं. 798(ई), तारीख 30 नवम्बर, 1984 और संशोधित अधिनियम सा. का. नि. सं. 43(ई), तारीख 22 जनवरी, 1991 द्वारा प्रकाशित हुए थे।

[फ. सं. पी आर-14012/17/92-पी. जी.]
अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd June, 1992

G.S.R. 629(E)—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (i) of Section 33 read with Section 34 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) the Central Government hereby directs that with effect from the day following the expiration of 60 days from the date of publication of this notification in the official Gazette, the following amendments shall be made in the Notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport No. G.S.R. No. 43(E) dated 22nd January, 1991, namely:—

In the said Notification for the schedule, the following Schedule shall be substituted, namely:—

SCHEDULE

| Vessels chargeable (Sea going vessels of 15 tons and above) | Rate of port dues per NRT | | Frequency of payment in respect of the same vessel | |
|---|---------------------------|-------------|--|---------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | Foreign U.S. dollars | Coastal Rs. | Foreign vessel | Coastal vessel |
| Ship | 0.114 | 1.70 | Each entry | Once in thirty days |
| Steamers | 0.171 | 2.80 | Each entry | Once in thirty days |
| Tugs, launches Barges, etc., not included above | 0.048 | 1.00 | Each entry | Once in thirty days |

Foot Note : Principal Notification was published vide GSR No. 798(E) dated 30th November, 1984. Amendment Notification published vide GSR No. 43(E) dated 22nd January, 1991.

[F.No. PR-14012/17/92-PG]
ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जून, 1992

सा.का.नि. 630(अ).—भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 33 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा, सरकारी राजपत्र में अधिसूचना के प्रकाशन से 60 दिन की अवधि समाप्त होने से अगले दिन से उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची के भाग 1 में नव मंगलूर पत्तन से संबंधित प्रविष्टियों को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाए,

| पत्तन का नाम | आवेद्य जहाज | प्रति टन पत्तन का शुल्क | उसी जहाज पर सामान्यतया कितने समय तक आवेद्य |
|--------------|--|---------------------------|---|
| नव मंगलूर | 15 टन तथा उससे अधिक के समुद्रगामी जहाज | एक रुपय डालर से अधिक नहीं | पत्तन के भीतर प्रत्येक बार प्रवेश पर प्रसार देय है। |
| | (क) विदेशी जहाज | दस रुपये से अधिक नहीं। | तीस दिन में एक बार। |
| | (ख) लटीय जहाज | | |

[फा. सं. पी आर-14012/17/92-पीई]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd June, 1992

GSR 630(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 33 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) the Central Government hereby makes, with effect from the day following the expiry of sixty days from the date of publication of the Notification in the Official Gazette, the following alterations in the first schedule to the said Act, namely :—

2. In part I of first schedule to the said, Act, for entries relating to the port of New Mangalore, the following entries shall be substituted, namely:—

| Name of Port | Vessels chargeable | Rate of Port dues per ton | Dues how often chargeable in respect of the same vessel |
|---------------|--|-----------------------------|---|
| New Mangalore | Sea-going vessels of fifteen tons and upwards. | | |
| | (a) Foreign going vessels | Not exceeding one US dollar | The dues are payable on each entry within the port. |
| | (b) Coastal Vessels | Not exceeding Rs. 10/- | The dues are payable once in thirty days. |

[File No. PR-14012/17/92-PG]
ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जून, 1992

सा.का.नि. 631(प्र).—केन्द्रीय सरकार भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (1) और नव मंगलूर पत्तन पायलटेज व अन्य सेवा (शुल्क) आदेश 1989 तथा नव मंगलूर पत्तन पायलटेज व अन्य सेवा (शुल्क) 1991 संशोधन आदेश 1991, भारत सरकार जल-भूतल परिवहन की प्रकाशित अधिसूचना सं. कमरा. सा.का.नि. सं. 650(ई) दिनांक 20 जुलाई, 1990 और सा.का.नि. 521 (ई) दिनांक 5 अगस्त, 1991 का अधिग्रहण करते हुए नव मंगलूर पत्तन में पायलटेज व अन्य सेवाओं के लिए शुल्क की विधि के विनियमन के लिए निम्नलिखित आदेश बनाता है, अर्थात्:—

आदेश

- संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ : (i) यह आदेश नव मंगलूर पत्तन पायलटेज और अन्य सेवाएं (शुल्क) आदेश, 1992 कहा जाएगा।
(ii) यह तत्काल प्रवृत्ति होगी।
- परिभाषाएं—इस आदेश में जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हों—
(क) “पत्तन” का अर्थ है नव मंगलूर पत्तन।
(ख) “तटीय जहाज” का अर्थ है, वह जहाज भारत में किसी पत्तन या स्थान से भारत में किसी दूसरे पत्तन या स्थान तक नमूद मार्ग में यात्रियों या मालों की टुलई में लगा हो।
(ग) “विदेशी जहाज” का अर्थ है वह जहाज जिसे भारत में किसी पत्तन या स्थान और भारत के बाहर दूसरे पत्तन या स्थान या पत्तनों या स्थानों के बीच व्यापार में लगाया गया है।

3 पायलटेज मूरिंग या अंतर्मूरिंग आदि के लिए शुल्क.—पत्तन के अन्दर और बाहर जहाजों के पायलटिंग लिए शुल्क की लेखा विममें पत्तनके पायलटों की सेवाएं और कर्मों वल के माय टगों और लाचों की सेवाएं शामिल हैं, नीचे की अनुसूची में विनिर्दिष्ट दरों पर होंगी, अर्थात्:—

अनुसूची

| पोतों का वर्गीकरण | दैनिक शुल्क | | प्रति जी.आर.टी. तटीय जहाज रुपये |
|---|-----------------------|--------------------|---------------------------------------|
| | विदेशी जहाज | पोत यू.एस. डालर | |
| 1 | 2 | | 3 |
| 1. बाहरी और भीतरी—दोनों पायलटेज के लिए | 0.238 | | |
| (1) 3000 जी.आर.टी. तक के जहाज | 0.238 | | रु. 3.50 |
| | किन्तु न्यूनतम 594.44 | | किन्तु न्यूनतम रु. 8750/- |
| (2) 3001 और 10000 जी.आर.टी. के बीच के जहाज | 0.238 | | रु. 3.50 |
| (3) 10001 और 15000 जी.आर.टी. के बीच के जहाज | 0.285 | | रु. 4.20 |
| (4) 15001 और 30000 जी.आर.टी. के बीच के जहाज | 0.285 | | रु. 4.20 |
| (5) 30000 जी.आर.टी. से अधिक के जहाज | 0.285 | | रु. 4.20 |

| 1 | 2 | 3 |
|--|-------|-----------------------|
| 2. 199 जी.आर.टी. तक के बार्ज टग, खन आदि जिसका ऊपर उल्लेख नहीं है और पायलट (सहायक जहाज और खनन के साथ या रहित) और फिशिंग पोत | 57.07 | रु. 850/- प्रति पोत |
| 200 जी.आर.टी. और अधिक | 85.60 | रु. 1250/- प्रति जहाज |

टिप्पणी :

- पोत की सारी शिफिंग पत्तन के खाते में होगी।
- पायलट सेवाएं दिन के चौबीस घंटे उपलब्ध होंगी।
- पोत के मास्टर द्वारा यथा प्रमाणित "कोस्ट यूज" पर जहाज के पायलटिंग प्रशिक्षित किसी प्रचालन में जहाज की इंतजाम को शक्ति के बिना आंशिक रूप से अनुसूची के अनुसार देय दरों के अलावा 20 प्रतिशत का सरचार्ज किया जाएगा।
- पायलट के आन-कैरियर के लिए शुल्क: अपरिहार्य कारणों से पायलट को लिए हुए जहाज को पत्तन सीमा से बाहर ले जाने की दशा में मास्टर को अगले नजदीकी पत्तन पर पायलट को छोड़ना पड़ेगा और मास्टर, मालिक या उसका प्रतिनिधि उसका वापसी और भोजन और आवास और अन्य उचित खर्चों का भुगतान करना होगा तथा इस प्रकार से जाएं गये पायलट को वापिस भेजना होगा। इसके अलावा पायलट के पत्तन पर वापस आने के बाद रिपोर्ट करने तक मास्टर को प्रति घंटा 60 रुपये की दर से अतिरिक्त मुआवजा देना पड़ेगा होगा।
- यदि विभिन्न एजेंट इसवार्डे एंटी और आउटवार्डे क्लियरन्स के मामले में लगे हों तो प्रत्येक एजेंट से शुल्कों का 50 प्रतिशत शुल्क घसूला जाएगा।
- यदि जहाज पत्तन में बंदरगाह के लिए पानी लेने या मरम्मत के लिए प्रवेश करते हैं लेकिन कोई माल लेना या उतारना नहीं है तो पायलट के शुल्क का केवल 50 प्रतिशत ही वसूला जाएगा।
- स्टीमरों का अवरोध (डिटेन्शन) शुल्क:—
 - (1) पायलट की सेवाओं के मांग पत्र को दो घंटे से कम समय तक रद्द करने की सूचना उप संरक्षक को पायलट के लिए प्रातः 6 बजे से माय 6 बजे के बीच या या 6 घंटे के कम का नोटिफिकेशन के साथ माय 6 बजे प्रति जहाज से प्रातः 6 बजे के बीच पायलट के लिए 1200/- रुपये तटीय जहाज और यू.एन. वायर 57.07 विदेशी जहाज।
 - (2) समय के बाद 30 मिनट से अधिक समय के लिए किसी स्टीमर द्वारा पायलट को रोकने के लिए शिवके मांग पत्र भरा गया था।

| | |
|--------------------------------------|---|
| (क) पहला घंटा या उसका अंश | 600/- रु. तटीय जहाज यू.एन. वायर 28.53 विदेशी जहाज |
| (ख) बाव के प्रत्येक घंटे या उसके अंश | 500/- रु. तटीय जहाज |
| | यू.एन. वायर 23.78 विदेशी जहाज |
- ऐसे मामले में जहाँ पायलट जहाज पर चढ़ने है किन्तु यह सूचित किए जाने पर लौट आता है कि उसकी सेवाओं की आवश्यकता नहीं है तो उपर उप-मद (1) में विनिर्दिष्ट रद्द करने का शुल्क लगेगा।
- यदि पायलट को स्टीमर पर चढ़ने के बाद 30 मिनट से अधिक समय तक प्रतीक्षा कराया जाता है और उसे यह सूचित किया जाता है कि उसकी सेवाओं की आवश्यकता नहीं है तो रद्द करने से शुल्क के अलावा उप-मद (2) में निर्दिष्ट "अवरोध शुल्क" (डिटेन्शन चार्ज) वसूला जाएगा। बशर्ते कि उप संरक्षक अपने विवेकाधिकार से अवरोध या रद्द करने का शुल्क आंशिक रूप से माफ कर सकते हैं यदि अवरोध या रद्द करना स्टीमर के मास्टर के नियंत्रण के बाहर की परिस्थिति के कारण हुआ और यदि पायलट इस आशय का विनिर्दिष्ट रूप से प्रमाण पत्र देता है।

[फा. म. 14012/17/92-मो. जी.]

अणोक जोशी, संपुष्ट मन्त्रि

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd June, 1992

G.S.R. 631(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 35 of Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the Port of New Mangalore Pilotage and other Services (Fees) Order 1989 and the Port of New Mangalore Pilotage and other Services (Fee) Amendment Order 1991 published under the Notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport No. G.S.R. 650(E) dated 20th July, 1990 and G.S.R. 521(E) dated 5th August, 1991 respectively, the Central Government hereby makes the following order for regulating the levy of fees for pilotage and other services in the Port of New Mangalore, namely:

ORDER

1. Short title and commencement :—(i) This Order may be called the Port of New Mangalore Pilotage and other Services (Fees) Order 1992.

(ii) It will come into force at once.

2. Definitions :— In this order unless the context otherwise required,

(a) 'Port' means Port of New Mangalore,

(b) 'Coasting Vessel' means a vessel engaged in the carriage by sea of passengers or goods from any Port or place in India

(c) 'Foreign Vessel' means a vessel employed in trading between any Port or place in India and other Port or place or between Ports or places outside India.

3. Fees for Pilotage, Mooring or unmooring etc:

The fees leviable for piloting vessels in and out of the Port which includes services of the Ports Pilots and services of the Tugs and Launches with the crew shall be at the rates specified in the Schedule below namely:

SCHEDULE

| Classification of the vessel | Charges payable per G.R.T. | |
|---|---|---|
| | Foreign vessels U.S. dollars. | Coasting vessels Rs. |
| (i) For pilotage both Inward and outward | 0.238 Subject to a min. of Rs. 594.44 | Rs. 3.50 Subject to a min. of Rs. 8,750/- |
| (ii) For vessels having GRT between 3001 and 10,000 | 0.238 | Rs. 3.50 |
| (iii) For vessels having GRT between 10001 and 15000 | 0.285 | Rs. 4.20 |
| (iv) For vessels having GRT between 15001 and 30,000 | 0.285 | Rs. 4.20 |
| (v) For vessels having GRT over 30,000 | 0.285 | Rs. 4.20 |
| 2. Barges Tugs Launches etc. not specified above and sailing vessels (with or without auxillary engines) and fishing vessels upto GRT 199 | 57.07 | Rs. 850/- per vessel |
| GRT 200 and above | 85.60 | Rs. 1250/- per vessel |

Notes:

1. All shiftings of vessels will be to Port Account.
2. Pilotage services will be available all the hours of the day.
3. For Pilotage a vessel on 'Cold Move' as certified by the Master of the vessel namely without the power of the engine of the vessel partly or fully in any operation a surcharge of 20% shall be levied over the rates payable as per the Schedule.
4. Fees for on carriage of Pilot : In the event of the vessel carrying a Pilot outside the port limits for unavoidable reasons the Master shall be bound to leave the pilot at the next nearest Port and Master, Owner or his representatives shall be responsible for the repatriation and all connected formalities thereof and also be liable to pay all expenses incurred in the matter of Boarding, Lodging other reasonable expenses and repatriation of the Pilot thus over carried. In addition, compensation at the rate of Rs. 60/- per hour shall be payable by the Master of the vessel till the Pilot reports back to duty at the Port.
5. In case different agents are engaged for inward entry and outward clearance separately each of the agents will be charged 50% of the charges.
6. In respect of the vessels entering the Ports for bunkering, water and repairs but not discharging or taking in any cargo only 50% of the Pilotage charges will be levied.
7. Detention charges of Steamers:

- (1) For cancellation of a requisition for the services of a Pilot with less than 2 hours notice to the Deputy Conservator for Pilotage between 0600 AM to 0600 PM or with less than 6 hours notice for pilotage between 6 PM and 6.00 AM

| |
|-----------------------------------|
| Rs. 1,200/- for coasting vessels. |
| US \$ 57.07 for foreign vessels. |

(2) For detention of Pilot by a Steamer for more than 30 minutes beyond the time for which the requisition was made.

(a) for 1st hour or part thereof

Rs. 600/- for coasting vessels.

US \$ 28.53 for foreign vessels.

(b) for every subsequent hours or part thereof

Rs. 500/- for coasting vessels.

US \$ 23.78 for foreign vessels.

8. In case where a Pilot boards a Steamer but has to return or being informed that his services are not required cancellation charges specified in sub-item (1) above shall be levied.

9. If a pilot is made to wait for more than 30 minutes after boarding the Steamer and is being informed that his services are not required 'detention charges' specified in sub-item (2) above shall be levied in addition to cancellation charges.

Provided that the Deputy Conservator may at his discretion waive the whole or part of the detention or cancellation charges if the detention or cancellation was due to circumstances beyond the control of the Master of the Steamer and if the Pilot certified to that effect in writing.

[File No. PR-14012/17/92-PG]

ASHOKE JOSAI, Jt. Secy.